प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 15 (2019–20)

हिन्दी – अ (कोड–002)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 10

जिसके जीवन में जितने अधिक दुख होते हैं वह उतना ही सबल होकर सुख की यात्रा पर निकलता है, क्योंकि दुख विपरीत स्थितियों से जूझने की क्षमता का विकास कर हमारी ऊर्जा को जगाते हैं। कभी–कभी मौसम में बड़ी विषमता दिखाई देती है। गर्मियों में वर्षा हो जाती है और शीतल वायु मौसम को सुहावना बना देती है। कई बार बरसात के मौसम में बादलों का नामोनिशान तक नहीं रहता। कभी सर्दी के मौसम में ठंड और कोहरे से निजात मिल जाती है। मौसम की यह प्रतिकूलता हमारे अहित में नहीं होती। यही बात मनुष्य के जीवन में सुख–दुख के संबंध में उतनी ही सटीक है। व्यक्ति तथा समाज दोनों के विकास के लिए परस्पर विरोधी भावों का होना अनिवार्य है। ग्रीष्म हो या वर्षा, पतझड़ हो या वसंत, वे एक–दूसरे के विरोधी नहीं अपितु पूरक हैं। एक के अभाव में दूसरे में आनंद कहाँ? सुख की अनुभूति के लिए दुख की अनुभूति होनी आवश्यक है। इसके द्वारा हमारे अंदर की ऊर्जा जागती है। दुखों से कोई भाग नहीं सकता, उनसे जूझना ही पड़ता है। पहिये की तीलियों की भाँति सुख–दुख ऊपर–नीचे होते हैं। जीवन भी एक चक्र ही है और चक्र टिकता नहीं, गतिशील रहता है।

1. मनुष्य दुखों का सामना करने से सबल कैसे बन जाता है? 2

उत्तर : मनुष्य दुख जैसी विपरीत स्थितियों से जूझकर अपने अंदर जूझने की क्षमता का विकास कर लेता है जो हमारी ऊर्जा को जगाते हैं। इस प्रकार मनुष्य दुखों का सामना कर सबल हो जाता है।

2. लेखक ने मौसम की विषमता का उदाहरण क्यों दिया है? 2

उत्तर : लेखक ने मौसम की विषमता का उदाहरण मनुष्य के जीवन में सुख–दुख तथा विकास के लिए परस्पर विरोधी भावों के महत्त्व को बताने के लिए दिया है।

3. व्यक्ति तथा समाज दोनों के विकास के लिए क्या आवश्यक है? क्यों? 2

उत्तर : व्यक्ति तथा समाज दोनों के विकास के लिए परस्पर विरोधी भावों का होना आवश्यक है। क्योंकि सुख प्राप्ति के लिए दुख का सामना करना जरूरी होता है। जो व्यक्ति या समाज दुख के बाद सुख प्राप्त करता है वह विभिन्न अनुभवों से गुजर कर स्वयं को सुदृढ़ करता है।

4. सुख की अनुभूति के लिए क्या आवश्यक है? क्यों? 2

उत्तर : सुख की अनुभूति के लिए दुख की अनुभूति होनी आवश्यक है, क्योंकि दुख के अनुभव के बिना सुख का आनंद नहीं मिलता। एक के अभाव में दूसरे में आनंद कहां मिलेगा। दुख मनुष्य के अंदर ऊर्जा जगाता है जिससे वह सुख की अनुभूति कर पाता है।

5. पहिये का उल्लेख क्यों किया गया है? 1

उत्तर : गद्यांश में पहिए का उल्लेख जीवन की गतिशीलता को दर्शाने के लिए किया गया है।

6. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : जीवन चक्र।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. जो अध्यापिका हिंदी पढ़ाती हैं, वे मेरी माँ हैं। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर : वे मेरी माँ है। संज्ञा उपवाक्य।

2. मैं अस्वस्थ था इसलिए परीक्षा नहीं दे सका। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : मैं अस्वस्थता के चलते परीक्षा नहीं दे सका।

3. परिश्रम करने से लोग जीवन में सफल होते हैं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : लोग जीवन में परिश्रम करते हैं और सफल होते हैं।

4. कबीर आया और चला गया। (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)

उत्तर : संयुक्त वाक्य।

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. चलो, घूमने चलते हैं। (वाच्य का भेद लिखिए)

उत्तर : कर्तृवाच्य।

2. क्या आपके द्वारा पूरी कहानी पढ़ ली गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर : क्या आपने पूरी कहानी पढ़ ली।

3. फादर रिश्ते बनाकर तोड़ते नहीं थे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर : फादर द्वारा रिश्ते बनाकर तोड़े नहीं जाते थे।

4. मैं इस पेड़ पर नहीं चढ़ सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर : मुझसे इस पेड़ पर नहीं चढ़ा जाता।

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. वह विश्वास के <u>योग्य</u> नहीं है।

उत्तर : गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'वह' विशेष्य का विशेषण।

2. <u>हम</u> सभी बाहर जा रहे हैं।

उत्तर : उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, कर्ता कारक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'जाना' क्रिया का कर्ता।

3. वह <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ता है।

उत्तर : स्त्रीलिंग, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण, संख्यावाचक विशेषण।

4. <u>परीश्रम</u> ही सफलता का मूल मंत्र है।

उत्तर : भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. काव्यांश में निहित रस पहचानकर लिखिए।

हे सारथे! हैं द्रोण क्या, देवेंद्र भी आकर अड़े,
है खेल क्षत्रिय बालकों का व्यूहभेदन कर लड़ें।
मैं सत्य कहता हूँ सखे! सुकुमार मत जानो मुझे,
यमराज से भी युद्ध को प्रस्तुत सदा मानो मुझे।।

उत्तर : रौद्र रस।

2. करुण रस का एक उदाहरण लिखिए।

उत्तर : करुणे, क्यों रोती है? उत्तर में और अधिक तु रोई। मेरी विभूति है जो, इसमें भवभूति क्यों कहे कोई?

3. शृंगार रस के स्थायी भाव का नाम लिखिए।

उत्तर : रति।

4. वात्सल्य रस का स्थायी भाव क्या है?

उत्तर : वत्सल।

5. "रण बीच चौकड़ी भर-भरकर चेतन बन गया निराला था। जो तनिक हवा से बाग हिली, लेकर सवार उड़ जाता था।" काव्यांश में निहित रस स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : वीर रस।

खण्ड-ग 34

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक)

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 6

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती- मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा? बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा- यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती?

1. बालगोबिन भगत द्वारा पुत्र का दाह-संस्कार पतोहू से ही कराने तथा विधवा बहु की दूसरी शादी रचाने के निर्देश में उनकी किस विचारधारा का परिचय मिलता है? 2

उत्तर : बालगोबिन भगत द्वारा दाह-संस्कार पतोहू से तथा विधवा बहू की दूसरी शादी रचाने के निर्देश के पीछे समाज में प्रचलित रुढ़िवादी परंपराओं को तोड़कर एक नए उन्मुक्त समाज की रचना करने तथा समाज के प्रति सकारात्मक सोच जैसी विचारधारा का परिचय मिलता है।

2. भगत की पतोहू उन्हें छोड़कर नहीं जाना चाहती थी। दो कारणों का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर : भगत की पतोहू उन्हें छोड़कर नहीं जाना चाहती थी, क्योंकि

1. वह बुढ़ापे में उनके लिए भोजन बनाना चाहती थी तथा
2. बीमार पड़ने पर, चुल्लू भर पानी उन्हें दे सके।

3. भगत ने पतोहू को कहाँ जाने के लिए कहा और भगत की आखिरी दलील क्या थी? 2

उत्तर : भगत ने पतोहू को अपने घर जाने के लिए कहा। भगत की आखिरी दलील थी कि तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चला जाऊँगा।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए– $2 \times 4 = 8$

1. मन्नू भंडारी ने डॉ. अंबालाल की प्रशंसा को उनका स्नेह क्यों बताया?

उत्तर : मन्नू भंडारी ने डॉ. अंबालाल की प्रशंसा को उनका स्नेह बताया क्योंकि लेखिका के समय से पचास साल पहले अजमेर जैसे शहर में चारों ओर से उमड़ती भीड़ के बीच एक लड़की का बिना किसी संकोच और झिझक के बोलना बेहद बड़ी बात थी।

2. भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष कब देखा गया?

उत्तर : भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष अपने बेटे की मृत्यु पर गीत गाते समय देखा गया। इकलौता बेटा था उसके शव को आँगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़े से ढँककर उस पर कुछ फूल बिखेरकर सिरहाने एक चिराग जलाकर उसके सामने बैठकर संगीत में लीन हो गए। यह था संगीत साधना का चरम उत्कर्ष।

3. 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक'– यह विशेषण फादर की किन विशेषताओं का व्यंजक है?

उत्तर : प्रश्नोक्त विशेषण फादर कामिल बुल्के का अविस्मरणीय जीवन, वात्सल्य, ममता, करुणा, प्रेम तथा सांत्वना जैसी मानवीय विशेषताओं का व्यंजक है।

4. कुलसुम की देसी घी वाली दुकान में बनी कचौड़ी को बिस्मिल्ला खाँ संगीतमय कचौड़ी क्यों कहते थे?

उत्तर : कुलसुम की देसी घी वाली दुकान में बनी कचौड़ी को बिस्मिल्ला खाँ संगीतमय कचौड़ी कहते हैं क्योंकि कुलसुम जब कलकलाते अर्थात खौलते घी में कचौड़ी डालते थे, उस समय छन्न से उठनेवाली आवाज में उन्हें सारे आरोह–अवरोह दिख जाते थे।

5. नवाब साहब द्वारा खीरा खरीदने और उसे न खाने का क्या कारण रहा होगा?

उत्तर : नवाब साहब ने इसलिए खीरा खरीदा होगा, ताकि यात्रा का समय व्यतीत हो जाए। परंतु जब उन्होंने अपने सामने शहर के ही एक अन्य भद्र व्यक्ति को देख लिया तब उन्होंने यह सोचकर खीरा नहीं खाया होगा कि एक नवाब होते हुए खीरे जैसी साधारण वस्तु खाने पर इस व्यक्ति की नजर में मेरा सम्मान कम हो जाएगा।

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 6

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण–बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन–
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

1. 'मृगतृष्णा' से आप क्या समझते हैं? काव्यांश में मृगतृष्णा किसे कहा गया है? 2

उत्तर : मृगतृष्णा से अभिप्राय है रेत की चमक में पानी जैसा भ्रम, मिथ्या प्रतीति, छलावा आदि। काव्यांश में मृगतृष्णा जीवन में यश, मान, वैभव आदि की प्राप्ति की इच्छा और प्रयास को कहा गया है।

2. 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' – इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? 2

उत्तर : प्रश्नोक्त पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि सुख–दुख जीवन की स्वाभाविक और क्रम से आने–जाने वाली स्थिति है। हर चाँदनी रात अर्थात सुख के बाद अँधेरी काली रात अर्थात दुख आता है।

3. काव्यांश में 'छाया मत छूना' से कवि का क्या अभिप्राय है? 2

उत्तर : 'छाया मत छूना' से कवि का अभिप्राय विगत के सुख के संदर्भ से है। मनुष्य जब अपने बीते हुए सुख के दिनों को याद करते समय वर्तमान के दुख को देखता है तो वह उस सुनहरे क्षणों से आज के समय की तुलना करने लग जाता है। उस समय उसका वर्तमान का दुख और भी गहरा हो जाता है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए– $2 \times 4 = 8$

1. 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर : फागुन में प्रकृति के कण–कण में सुंदरता समा जाती है। पूरी प्रकृति अनूठी सुगंध से भर जाती है। पेड़–पौधे हरे–भरे फूल–पत्तों से लद जाते हैं।

2. मनुष्य किन कारणों से भ्रमित होकर चारों ओर भटकता है? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर : मनुष्य जीवन के सत्य को छोड़कर उसकी छायाओं से भ्रमित हो जीवन की कठोर वास्तविकता से दूर होकर इधर–उधर चारों ओर भटकता है।

3. गोपियों ने ऐसा क्यों कहा कि श्रीकृष्ण ने राजनीति की शिक्षा ले ली है?

उत्तर : श्रीकृष्ण ने राजनीति की शिक्षा प्राप्त कर ली है, गोपियों ने यह इसलिए कहा क्योंकि वह राजनीति के क्षेत्र में अपनाई जाने वाली कुटिलता और छलपूर्ण चालें गोपियों के साथ चलने लगे हैं। उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए गोपियों का सुख–चैन लिया है और उन्हें दुख पहुँचाने का प्रयास किया है। ऊधौ को योग का संदेश देकर भेजना भी उनकी ऐसी ही छलपूर्ण नीति थी।

4. संगतकार किसे कहते हैं? उसकी आवाज में एक हिचक–सी क्यों प्रतीत होती है?

उत्तर : संगतकार से अभिप्राय गायन वादन में मुख्य कलाकार को सहयोग देने वाले कलाकारों से है। संगतकार की आवाज में हिचक होती है क्योंकि वह एक सीमा में बँधा होता है। वह कभी मुख्य गायक या वादक से ऊपर नहीं जा सकता।

5. 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है जलने के लिए नहीं' कहकर कवि ने समाज पर क्या व्यंग्य किया है?

उत्तर : प्रश्नोक्त पंक्तियों के माध्यम से कवि ने समाज में व्याप्त दहेज हत्या अर्थात् दहेज के लोभ में पुत्र–वधु को जलाकर मार देने जैसे घिनौने कृत्य पर व्यंग्य किया है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए– $3 \times 2 = 6$

1. 'साना–साना हाथ जोड़ि' पाठ में प्रदूषण के कारण हिमपात में कमी पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रदूषण के और कौन–कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं?

उत्तर : प्रदूषण के अनेक दुष्परिणाम सामने आए हैं;

1. अंटार्कटिका की बर्फ निरंतर पिघल रही है, जिसके कारण समुद्र का जल–स्तर बढ़ता जा रहा है, धरती की सीमाएँ डूबने लगी हैं।
2. नदियों में पानी की मात्रा में इतनी कमी हो रही है जिसे देखकर नदियों के सूखने की आशंका होने लगी है।
3. नदियों की पवित्रता समाप्त हो गई है जिससे पीने के साथ जलीय–जंतुओं का जीवन खतरे में पड़ गया है।
4. पेड़ कटने से कार्बन–डाइआक्साइड, ऑक्सीजन का संतुलन बिगड़ गया है जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।
5. मौसम चक्र बदल गया है जिससे पैदावार घट रही है। प्राकृतिक आपदाओं ने जोर पकड़ लिया है।

2. जन–जागरण में समाचार–पत्रों की क्या भूमिका होती है? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : जन–जागरण में समाचार–पत्रों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। मैं इस उक्ति से शत प्रतिशत सहमत हूँ। जनसंचार के सभी साधन समाज तथा लोकतंत्र के सुदृढ़ तंत्र हैं, अतः संचार के सभी साधनों का प्रयोग जनहित में हो यह सुनिश्चित करना होगा। इस संचार माध्यम से जुड़े सभी लोगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके अखबार में छपने वाले विषय जनता को जागरूक करने तथा जनहित के लिए हों न कि उन्हें दिग्भ्रमित करने के लिए। जनता से ही देश है अतः देश के विकास का पथ प्रशस्त करना सबका दायित्व है। समाचार–पत्र यदि सेवा भाव से देश व देशवासियों की आवाज बुलंद करे तो निश्चित रूप से वह राष्ट्र तथा समाज की कायापलट में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अखबार दूध–का–दूध और पानी–का–पानी करने वाला सच्चा न्यायाधीश होता है।

3. वर्तमान समय में खेल सिर्फ मनोरंजन एवं शारीरिक विकास का ही साधन नहीं अपितु व्यवसाय का स्रोत बन गए हैं। कैसे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : प्राचीन समय में खेल मनोरंजन तथा शारीरिक विकास का साधन मात्र थे परंतु वर्तमान में खेलों का भी व्यवसायीकरण हो गया है। आजकल खेल प्रसिद्धि का माध्यम बन गए हैं। विभिन्न खेलों के विशेषज्ञों को विभिन्न बड़े उद्योग एवं सरकारी प्रतिष्ठान अपने यहाँ रोजगार देते हैं। उन्हें अन्य कर्मचारियों से भिन्न विशिष्ट सुविधाएँ दी जाती हैं। प्रसिद्ध खिलाड़ी बड़ी–बड़ी कंपनियों का विज्ञापन करके भी अत्यधिक धनोपार्जन करते हैं। वर्तमान परिवेश में अच्छे खिलाड़ियों को समाज में भी सम्मानीय स्थान प्राप्त है।

खण्ड–घ (लेखन) 20

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए– 10

(1) ट्वेंटी–20 क्रिकेट

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ ट्वेंटी–20 क्रिकेट की शुरुआत ✲ ट्वेंटी–20 खेल को लोकप्रिय बनाने में आईपीएल का योगदान ✲ ट्वेंटी–20 क्रिकेट की रणनीति ✲ ट्वेंटी–20 क्रिकेट के दोष ✲ उपसंहार

(2) समाचार पत्रों की उपयोगिता

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ आरंभ एवं प्रसार ✲ महत्त्व एवं उपयोगिता ✲ सामाजिक परिवर्तन में समाचार–पत्रों की भूमिका ✲ उपसंहार

(3) परिवार में बिखराव

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ परिवार का स्वरूप ✲ आधुनिक युग में परिवारों की स्थिति ✲ उपसंहार

उत्तर :

(1) ट्वेंटी–20 क्रिकेट

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ ट्वेंटी–20 क्रिकेट की शुरुआत ✲ ट्वेंटी–20 खेल को लोकप्रिय बनाने में आईपीएल का योगदान ✲ ट्वेंटी–20 क्रिकेट की रणनीति ✲ ट्वेंटी–20 क्रिकेट के दोष ✲ उपसंहार

भूमिका– आज क्रिकेट दुनिया का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल बन चुका है। वैसे तो इसके सभी प्रारूप लोकप्रिय हैं, किंतु अत्यधिक रोमांच एवं कम समयावधि के कारण अब बीस–बीस ओवरों तक सीमित क्रिकेट सर्वाधिक लोकप्रिय हो गया है। इसे ट्वेंटी–20 क्रिकेट की संज्ञा दी जाती है।

ट्वेंटी–20 क्रिकेट की शुरुआत– क्रिकेट के इस प्रारूप की शुरुआत इंग्लैंड में वर्ष 2003 में हुई। टेस्ट एवं एकदिवसीय क्रिकेट मैचों में अत्यधिक समय लगता है एवं कभी–कभी खेल में रोमांच भी नहीं रहता, इसलिए कम समय में मैच को समाप्त

कर अच्छा मनोरंजन एवं खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ट्वेंटी–20 क्रिकेट मैचों की शुरुआत हुई।

ट्वेंटी–20 खेल को लोकप्रिय बनाने में आईपीएल का योगदान– ट्वेंटी–20 क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का योगदान महत्त्वपूर्ण है। आईपीएल में दुनियाभर के क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ अनुबंध किया जाता है। अनेक उद्योगपति एवं फिल्मी सितारे इसमें ऊँची बोली लगाकर टीमों एवं खिलाड़ियों को खरीदते हैं।

ट्वेंटी–20 क्रिकेट की रणनीति– खेल के दौरान जहाँ बल्लेबाज उच्च रन–गति पर निरंतर दृष्टि रखते हैं, वहीं गेंदबाज और विपक्षी दल का कप्तान भी निरंतर रन–गति को नियंत्रित करने के लिए उपयुक्त फील्ड सेटिंग द्वारा प्रयासरत रहते हैं। मैदान पर उपस्थित दोनों टीमों के खिलाड़ी अंपायर के निर्णय को मानने के लिए बाध्य होते हैं।

ट्वेंटी–20 क्रिकेट के दोष– खेल के अत्यधिक व्यवसायीकरण के कारण क्रिकेट में भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा मिला है एवं खेल–भावना को बहुत क्षति पहुँची है। लोग इसे अब धन कमाने का साधन समझने लगे हैं। इससे सट्टेबाजी एवं मैच फिक्सिंग को भी बढ़ावा मिला है।

उपसंहार– ट्वेंटी–20 क्रिकेट में दोनों दल एक–दूसरे पर निरंतर अपना प्रभुत्व बनाए रखने की कोशिश करते हैं। मनोरंजन एवं रोमांच की दृष्टि से ट्वेंटी–20 क्रिकेट मैच का कोई अन्य विकल्प नहीं है। इसने क्रिकेट की लोकप्रियता में अविश्वसनीय वृद्धि की है।

(2) समाचार पत्रों की उपयोगिता

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ आरंभ एवं प्रसार ✲ महत्त्व एवं उपयोगिता ✲ सामाजिक परिवर्तन में समाचार–पत्रों की भूमिका ✲ उपसंहार

भूमिका– समाचार–पत्र जनसंचार का एक सशक्त तथा प्रभावशाली माध्यम है। यद्यपि आज का युग प्रौद्योगिकी और संचार क्रांति का युग है, जिसमें टेलीविजन, इंटरनेट जैसे नवीन जनसंचार माध्यम भी उपलब्ध हैं, लेकिन समाचार–पत्रों की उपयोगिता तथा सार्थकता ज्यों–की–त्यों ही बनी हुई है। इनकी निष्पक्षता, निर्भीकता, प्रामाणिकता तथा विश्वसनीयता में निरंतर वृद्धि हो रही है।

आरंभ एवं प्रसार– समाचार–पत्रों का उद्भव सोलहवीं शताब्दी में प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कार के साथ ही हो गया था, परंतु इनका विकास अठारहवीं शताब्दी में ही तीव्र गति से हुआ। भारत में समाचार–पत्रों की शुरुआत 'बंगाल गजट' के प्रकाशन के साथ हुई थी। यह 1780 ई. में जेम्स ऑगस्टस हिक्की द्वारा अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित किया गया था। हिंदी का पहला समाचार–पत्र 'उदंत मार्तंड' था। इस समय भारत में अनेक भाषाओं में लगभग तीस हजार से भी अधिक त्रैमासिक, मासिक, पाक्षिक तथा दैनिक समाचार–पत्र प्रकाशित हो रहे हैं, इनमें 'द टाइम्स ऑफ इंडिया', 'द हिंदू', 'नवभारत टाइम्स', 'दैनिक जागरण', 'जनसत्ता' आदि प्रमुख हैं।

महत्त्व एवं उपयोगिता– भारतवर्ष में स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही समाचार–पत्रों की महत्ता तथा उपयोगिता बनी हुई है। देश के प्रसिद्ध नेताओं ने भारतीय जनता में देशप्रेम की भावना जगाने के लिए समाचार–पत्रों को ही माध्यम बनाया था। मीडिया को 'लोकतंत्र का चौथा स्तंभ' नाम से अलंकृत किया गया है। समाचार–पत्रों को लोकमत निर्माण, सूचनाओं का प्रसार, भ्रष्टाचार एवं घोटालों का पर्दाफाश तथा समाज की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करने के लिए जाना जाता है। देश के प्रथम नागरिक से लेकर एक साधारण व्यक्ति तक इनकी पहुँच है, क्योंकि समाचार–पत्र जनसंचार का सबसे सस्ता, परंतु विश्वसनीय माध्यम है।

सामाजिक परिवर्तन में समाचार–पत्रों की भूमिका– समय के साथ–साथ समाचार–पत्रों का कार्यक्षेत्र भी बढ़ गया है। अब इनका मुख्य उद्देश्य केवल सूचनाएँ उपलब्ध करवाना ही नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन में भी इनकी भूमिका उल्लेखनीय हो गई है।

उपसंहार– किसी भी देश में जनता का मार्गदर्शन करने के लिए निष्पक्ष तथा निर्भीक समाचार–पत्रों का होना आवश्यक है। समाचार–पत्र देश की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। समाचार–पत्र समाज में जागरुकता लाने का भी कार्य करते हैं। अतः समाचार–पत्रों को पत्रकारिता के मूल्यों पर चलते हुए स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण में अपना योगदान देते रहना होगा।

(3) परिवार में बिखराव

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ परिवार का स्वरूप ✲ आधुनिक युग में परिवारों की स्थिति ✲ उपसंहार

भूमिका– आधुनिक युग में परिवारों में बिखराव आ रहा है। संयुक्त परिवार प्रणाली यद्यपि अत्यधिक प्राचीन है, तथापि इसके आंतरिक स्वरूप में परिवर्तन होता रहा है। औद्योगिक क्रांति ने परंपरागत संयुक्त परिवारों को भंग कर दिया है, जिसका कारण बढ़ते हुए यंत्रीकरण के फलस्वरूप व्यक्ति को परिवार से बाहर मिली आजीविका, सुरक्षा और सुविधाओं को बताया जाता है। संयुक्त परिवार के स्थान पर एकल परिवार बनते जा रहे हैं, जिससे परिवारों में बिखराव आता जा रहा है।

परिवार का स्वरूप– आज की व्यस्त जीवन–शैली की विडंबना यह है कि परिवार का स्वरूप जितना छोटा हो गया है, उतना ही परिवार के सदस्यों के पास अपने परिवार को देने के लिए समय भी कम हो गया है। परिवार का संकुचित होना या परिवार में बिखराव आने का कारण आज के प्रतिस्पर्द्धी युग में एक–दूसरे से आगे निकलने की भावना है। अपनी आवश्यकताओं को अधिक महत्त्व देते हुए परिवार की उपयोगिता को लोग गौण समझने लगे हैं। आधुनिक युग में परिवार में रहने वाले लोग

एक–दूसरे को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। यह सब आज की पीढ़ी द्वारा पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण करने के कारण हुआ है। पुरानी पीढ़ी एवं नई पीढ़ी के विचारों का आपस में मेल न खाना बिखराव का अन्य कारण है।

आधुनिक युग में परिवारों की स्थिति– आधुनिक युग में परिवार का प्रत्येक सदस्य आत्मनिर्भर बनना चाहता है। पहले परिवार के सदस्य अपनी आवश्यकताओं के लिए एक–दूसरे पर आश्रित होते थे, आज निरंतर बढ़ रही महँगाई भी परिवार में बिखराव लाने का एक कारण है। एकल परिवार के कारण वरिष्ठ नागरिक उपेक्षित हो रहे हैं। इस बिखरते परिवार के कारण बुजुर्गों के लिए समस्याएँ उभरती जा रही हैं। आज के समय में नई पीढ़ी सुबह से शाम तक अपने निजी कार्यों में व्यस्त रहती है, जिससे घर में रह रहे बुजुर्ग अकेलापन अनुभव करते हैं। अपनी निजी स्वतंत्रता, स्वार्थ, महँगाई की समस्या के कारण युवा अपने बुजुर्गों को समय नहीं दे पाते एवं उनका ख्याल नहीं रख पाते, जिसके कारण परिवार में बिखराव आ गया है।

उपसंहार– हमें संयुक्त परिवार के महत्त्व को समझना चाहिए तथा परिवार के महत्त्व को समझकर वृद्धों की स्थिति से यह जान लेना चाहिए कि आज जैसी स्थिति इन वृद्धों की है, वैसी ही स्थिति आने वाले समय में हमारी स्वयं की होगी। अतः संयुक्त परिवार व वृद्धों की स्थिति समझकर हमें उनका समुचित ख्याल रखते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिए, जिससे हमारी सभ्यता व संस्कृति सुरक्षित रह सके।

12. विद्यालय में दसवीं कक्षा की परीक्षा से पूर्व विभिन्न विषयों के अध्यापन की अच्छी व्यवस्था करने के लिए प्राचार्य एवं अध्यापकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का एक पत्र लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :
सेवा में,
प्रधानाचार्य,
केंद्रीय विद्यालय,
नई दिल्ली।

विषय : दसवीं कक्षा की परीक्षा हेतु अध्यापन की अच्छी व्यवस्था के लिए धन्यवाद पत्र।
महोदय,

मैं आपके विद्यालय का दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। दसवीं कक्षा की परीक्षा की तैयारी करने के लिए अध्यापन की अच्छी व्यवस्था करने के लिए मैं आपको एवं विद्यालय के सभी अध्यापकों को धन्यवाद देना चाहता हूँ। आपने एवं विद्यालय के सभी अध्यापकों ने दसवीं कक्षा की परीक्षा की तैयारी करवाने के लिए छात्रों को पढ़ाने की अच्छी व्यवस्था की, कमजोर छात्रों को विद्यालय की छुट्टी के बाद अतिरिक्त समय में पढ़ाकर उनके स्तर को ऊपर उठाया। आप सभी की कर्मठता व कर्तव्य निर्वहन की समझ के कारण ही आज हमारे विद्यालय का दसवीं का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत आया है।

आपके एवं सभी अध्यापकों द्वारा दिया गया ज्ञान जीवन–पर्यन्त साथ रहेगा। एक बार फिर आप सभी को कोटि–कोटि धन्यवाद!
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
पवन
कक्षा– 'दसवीं ए'
दिनांक– 11 अक्टूबर, 2019

अथवा

आपके छोटे भाई ने परीक्षा में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। पुरस्कार में वह पिताजी से एक मोटर साइकिल चाहता है। उसे लगभग 80–100 शब्दों में एक पत्र लिखकर समझाइए कि वयस्क होने से पहले वाहन चलाना ठीक नहीं है।

उत्तर :
जैन छात्रावास,
मुम्बई।
दिनांक– 15 अक्टूबर, 2019
प्रिय अनुज,
बहुत–बहुत प्यार!

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई है कि तुमने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए तुम्हें शुभकामनाएँ। परंतु पिताजी के पत्र से यह जानकर हैरानी हुई कि परीक्षा में अच्छे अंक आने पर तुमने उनसे मोटर साइकिल की माँग की है। मैं तुम्हें समझाना चाहता हूँ कि तुम मोटर साइकिल चलाने के लिए अभी बहुत छोटे हो। मोटर साइकिल का लाइसेंस वयस्कों को ही मिलता है और अभी तुम वयस्क नहीं हुए हो। यदि तुम बिना लाइसेंस के वाहन चलाओगे तो यह अपराध होगा। यदि मोटर साइकिल चलाते हुए कोई दुर्घटना हो गई और तुम्हें क्षति पहुँची तो हम सभी को बहुत दुःख होगा।

मेरी राय में अभी तुम्हें मोटर साइकिल के लिए हठ न करके पिताजी से कोई और उपयोगी वस्तु लेनी चाहिए। आशा है कि तुम मेरी बात समझ गए होगे। शेष फिर।

पिताजी और माताजी को मेरा प्रणाम कहना।
तुम्हारा भाई
रमेश

13. मतदान अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से समाचार–पत्र के लिए लगभग 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

वोट है ताकत

वोट देना सबका अधिकार

- वोट से ही ताकतवर होता है लोकतंत्र
- वोट से बनती है आपकी सरकार

वोट देने जरूर जाएँ लोकतंत्र को मजबूत बनाएँ

अथवा

आप एक पुरानी कार बेचना चाहते हैं। कार के विषय में सभी विवरण देते हुए लगभग 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

बिकाऊ है

मात्र 3000 किमी. चली हुई मारूति एल्टो 800 (सफेद) मॉडल - वर्ष 2017
गाड़ी बिल्कुल अच्छी स्थिति में है तथा कम चली हुई है।
इच्छुक व्यक्ति तुरंत संपर्क करें-
मोबाइल नं.– 9673235910, 9791023590

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

WWW.CBSE.ONLINE

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.